सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

# सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 3 | अंक 16 | अजमेर, मंगलवार 10 फरवरी 2026 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

## सरकारी अस्पतालों से कुत्ते भगाने की जिम्मेदारी चिकित्सकों को सौंपी

जैसलमेर। राजस्थान में पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर सहित कुछ सरकारी अस्पतालों में अब चिकित्सकों को कुत्ते भगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।सरकारी अस्पतालों में घूमने वाले आवारा कुत्तों को रोकने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ये नोडल अधिकारी अस्पतालों में ही पदस्थ हैं। यानी अस्पताल परिसर में कुत्ते न आएं इसकी रोकथाम और इन्हें पकड़वाने की जिम्मेदारी इन चिकित्सकों की रहेगी। अभी जोधपुर के प्रतापनगर और मंडोर सैटेलाइट अस्पताल के साथ जैसलमेर के जवाहिर अस्पताल में आदेश लागू किए गए हैं।दरअसल सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना में कई जगहों पर इस तरह के आदेर जारी किए गए हैं, जिनमें अस्पतालों में आवारा कुत्तों को हटवाने या उनका प्रवेश रोकने के लिए नगर निगम के साथ समन्वय करने के लिए किसी न किसी चिकित्सक को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

इसी कड़ी में जैसलमेर जिले के राजकीय जवाहिर चिकित्सालय में अब सिर्फ मरीजों का इलाज ही नहीं होगा, बल्कि आवारा कुत्तों पर भी नकेल कसना शुरू हो गया है। शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में बढ़ते कुत्तों के आतंक ने प्रशासन को ऐसा सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिरकार एक सरकारी दंत चिकित्सक को ही कुत्ता भगाओ अभियान का नोडल अधिकारी बना दिया गया।स्वास्थ्य विभाग जयपुर से मिले सख्त निदेर्शों के बाद अस्पताल प्रबंधन ने तय किया है कि अब जवाहिर अस्पताल को पूरी तरह श्वान मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा। इस अभियान की कमान दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. सरदारा राम को सौंपी गई है, जिन्हें अब दांतों के साथ-साथ कुत्तों पर भी नजर रखनी होगी। इसके साथ ही अभी जोधपुर के प्रतापनगर और मंडोर सैटेलाइट अस्पताल के साथ जैसलमेर के जवाहिर अस्पताल में आदेश के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।जोधपुर और जैसलमेर के तीन अस्पतालों में वहां पदस्थ चिकित्सकों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जोधपुर के प्रतापनगर अस्पताल में डॉ. नरेश चौहान और मंडोर सैटेलाइट अस्पताल में डॉ. निर्मला बिश्नोई को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।जैसलमेर में प्रधान चिकित्साधिकारी (पीएमओ) डॉ. रविंद्र सांखला ने बताया कि आवारा कुत्ते अस्पताल में नहीं आएं, इसकी जिम्मेदारी चिकित्सकों को सौंपी गई है। जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल में दंत चिकित्सक डॉ. सरदाराराम पंवार को नोडल अधिकरी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का निर्देश है कि अस्पताल में कुत्ते नहीं होने चाहिए।

इसलिए हमने डॉ. सरदाराराम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उनकी ड्यूटी होगी कि अस्पताल में कुत्ते नहीं आने चाहिए। द्वार बंद रहे और जहां भी चारदीवारी से कुत्ते आ रहे हैं, उन्हें रोका जाए। अस्पताल में कुत्तों की संख्या ज्यादा होने पर वे नगर परिषद के दल से समन्वय करके कुत्तों को पकड़वाने का काम करेंगे।

## मंजूषा नागपुरे निर्विरोध चुनी गई पुणे की महापौर

पुणे। भारतीय जनता पार्टी की मंजूषा नागपुरे सोमवार को पुणे की महापौर निर्विरोध चुनी गई। रिपब्लिकन पार्टी (आरपीआई) से ताल्लुक रखने वाले और भाजपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतने वाले परशुराम वाडेकर को उप-महापौर चुना गया।राकांपा की शीतल सावंत और कांग्रेस की अश्विनी लांडगे ने महापौर पद के चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया, जबकि राकांपा के दत्तात्रेय बहिरत और कांग्रेस के साहिल केदारी ने उप महापौर के चुनाव से नाम वापस ले लिया। चूंकि पुणे नगर निगम में भाजपा के पास पूर्ण बहुमत है, इसलिए चुनाव होता भी तो नागपुरे और वाडेकर की जीत निश्चित थी।

पुणे नगर निगम चुनाव में भाजपा ने 119 सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया था। मेयर का पद सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित था। मंजूषा नागपुरे के साथ रंजना तिलेकर, मानसी देशपांडे, स्वरदा बापट और वर्षा तापकीर के नामों को लेकर काफी चर्चा थी। इस बात को लेकर भारी उत्सुकता थी कि महापौर और उप महापौर कौन बनेगा? अंततः भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने इन दोनों नामों पर मोहर लगाई।

## राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष शरद पवार पुणे के अस्पताल में भर्ती

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा-एसपी) अध्यक्ष शरद पवार को सोमवार को खांसी और सीने में जकड़न की शिकायत के बाद जांच के लिए पुणे के रूबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले डॉक्टरों का दल बारामती के गोविंद बाग में उनके घर जांच के लिए गया था। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पार्टी नेता रोहित पवार ने बताया कि मैं सभी पार्टी कार्यकताओं से आग्रह करता हूं कि वे अस्पताल न आएं। उनकी हालत स्थिर है। चिंता करने की कोई बात नहीं है। आपको यहां नहीं आना चाहिए। उन्हें हल्की खांसी है। उन्हें कुछ दिनों के लिए यहां रखा जाएगा। वह आईसीयू में नहीं, बल्कि निजी कक्ष में हैं।डॉ. अभिजीत लोढ़ा ने सोमवार शाम जानकारी दी कि ज्यादा मेहनत करने से शरद पवार के सीने में जकड़न हो गई है। हमने तमाम जांच कर ली हैं। इलाज चल रहा है। अब उनकी हालत स्थिर है। विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद अगर जरूरत पड़ी तो हम इलाज में कोई बदलाव करेंगे। जब तक विस्तृत जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती हम और जानकारी नहीं दे सकते। जांच रिपोर्ट आने के बाद तय करेंगे कि क्या इलाज करना है या क्या बदलाव करने हैं। बाकी सब स्थिर है। चिंता की कोई बात नहीं है। पवार साहब अब एक निजी कक्ष में हैं, आईसीयू में नहीं हैं। अब चिंता की कोई बात नहीं है। वह सामान्य हैं। बात कर रहे हैं।

## जीवन प्रमाण ने निगल ली हजारों बुजुर्गों की पेंशन, समझदारों की गलती नादानों पर भारी

सन्तोष खाचरियावास

अजमेर। प्रदेश के असहाय बुजुर्गों को राहत देने वाली मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना खुद सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की वजह से कटघरे में खड़ी हो गई है। वार्षिक सत्यापन प्रक्रिया में 2 सरकारी एप्लिकेशनों की गफलत ने हजारों बुजुर्गों की 6 महीने की पेंशन खतरे में डाल रखी है। साल 2024 के अंत में वार्षिक सत्यापन कराने के बावजूद इन्हें जून 2025 के बाद से पेंशन का भुगतान नहीं हुआ है। अपनी पेंशन बंद होने के डर से ये बुजुर्ग नगर निगम और कलेक्ट्रेट के धक्के खा रहे हैं। दरअसल, सामाजिक सुरक्षा योजना में मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना के हर लाभार्थी को हर साल नवम्बर से 31 दिसम्बर के मध्य अपने जीवित होने का प्रमाण देना होता है। इसके लिए लाभार्थी बुजुर्ग ई मित्र से या फिर मोबाइल एप्लीकेशन से घर बैठे भी वार्षिक सत्यापन करा सकते हैं। बस यहीं से गफलत की शुरूआत होती है।

दो एप्लीकेशन्स की वजह से गड़बड़ीः- राजस्थान सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थी के वार्षिक सत्यापन के लिए ssp.rajasthan.gov.in वेबसाइट पर व्यवस्था कर रखी है। इसके अलावा एनआईसी से Rajssp एप बनवा रखी है। यह एप आधार फेस आरडी एप से जुड़ी है। इस पर पीपीओ नम्बर डालने पर सम्बंधित लाभार्थी की डिटेल आ जाती है और आधार फेस आरडी एप खुल जाती है, जिसके जरिए लाभार्थी का लाइव सत्यापन हो जाता है। इसी तरह एनआईसी ने जीवन प्रमाण नामक एप बना रखी है जिस पर सभी प्रकार के पेंशनधारियों के वार्षिक सत्यापन की व्यवस्था है। यह एप भी आधार फेस आरडी एप से जुड़ी है। यह एप आधार से खुलती है। इसमें पेंशनर्स का नाम, पीपीओ नम्बर, पेंशन का प्रकार, संस्थान का प्रकार, राज्य सरकार का नाम, ट्रेजरी कार्यालय आदि बेसिक जानकारी मांगी जाती है। सभी जानकारी भरने के बाद आधार फेस आरडी एप खुल जाती है। उस पर चेहरा प्रमाणीकरण कराते ही सत्यापन की रसीद जनरेट हो जाती है। साल 2024 के अंत में कई ई मित्र संचालकों, बुजुर्गों या उनके परिजन ने गलतफहमी वश Rajssp एप की बजाय जीवन प्रमाण एप के जरिए अपना सत्यापन करा लिया और रसीद पाकर संतुष्ट हो गए।

### राज्य सरकार ने 6 महीने का एक्सटेंशन दिया

ऐसे हजारों बुजुर्ग गलतफहमी की वजह से Rajssp पर वार्षिक सत्यापन नहीं करा पाए तो जनवरी 2025 से उनकी पेंशन बंद करने की नौबत आ गई। ऐसे में राज्य सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए 6 महीने का एक्सटेंशन दे दिया। यह वजह रही कि उन्हें जून 2025 तक पेंशन मिलती रही। लेकिन इसके बाद पेंशन रुक गई। इसके बाद नवम्बर-दिसम्बर 2025 में पुनः वार्षिक सत्यापन भी करा लिया लेकिन बैंक खाते में पेंशन नहीं आ रही है।अब ये बुजुर्ग इधर-उधर धक्के खा रहे हैं। अजमेर एसडीएम कार्यालय में रोजाना ऐसे कई बुजुर्ग पहुंच रहे हैं। जहां उन्हें बताया जा रहा है कि साल 2024 के दिसम्बर तक वार्षिक सत्यापन नहीं होने के कारण उनकी पेंशन रुकी है। अब जयपुर मुख्यालय स्तर पर ही निर्णय होगा कि उन्हें दिसम्बर 2025 तक कि बकाया पेंशन का भुगतान किया जाए या नहीं।

### दोनों एप एनआईसी की, फिर ये खेल क्यों?

बुजुर्गों की पीड़ा है कि जीवन प्रमाण एप पर कराया गया वार्षिक सत्यापन राजस्थान सरकार स्वीकार क्यों नहीं कर रही है ? दोनों एप सरकारी हैं और दोनों का पूरा डाटा एनआईसी के पास है। तो पीपीओ नम्बर के आधार पर Rajssp पर डाटा ट्रांसफर क्यों नहीं किया जा सकता। इसके अलावा अगर जीवन प्रमाण एप केवल सरकारी पेंशनभोगियों के लिए है तो उस पर सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पीपीओ नम्बर से सत्यापन क्यों हो रहा है और रसीद जारी क्यों हो रही है।

### इस बार 20 लाख बुजुर्गों की पेंशन दांव पर

राजस्थान में इस बार 20 लाख से ज्यादा बुजुर्गों की मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन खतरे में है। इनकी गलती यह है कि इन्होंने 31 दिसम्बर 2025 तक अपना वार्षिक सत्यापन नहीं कराया। अब इन्हें पेंशन स्वीकृति अधिकारी के समक्ष पेश होकर सत्यापन कराना होगा।

### कुछ का लंबित भुगतान होना शुरू

विगत साल 2025 के अंत में फ्अखररढ एप पर सत्यापन कराने वाले कई बुजुर्गों को अब लंबित पेंशन का भुगतान शुरू कर दिया गया है। अलबत्ता एप की गफलत की वजह से उन्हें खासी परेशानी उठानी पड़ी।

## सम्पादकीय

# राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं।नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।संसद के भीतर अप्रकाशित ह्यसंस्मरणह्ल के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है। राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं।

# दुनिया भर में आलीशान होटलों में तब्दील हो गई कई जेल

नई दिल्ली। कभी कठोर अनुशासन, संकरी कोठरियों और साधारण भोजन के लिए पहचानी जाने वाली जेलें अब दुनिया के कुछ हिस्सों में विलासिता, आराम और विरासत पर्यटन की अनूठी मिसाल बनती जा रही हैं। विरासत इमारतों को होटल के रूप में पुनर्जीवित करने की प्रवृत्ति के तहत कई ऐतिहासिक जेलों को पंचतारा और बुटीक होटलों में बदला जा रहा है।

इस कड़ी में जापान के नारा शहर की पूर्व किशोर जेल एक नया आकर्षण बनने जा रही है। मेइजी काल में 1908 में स्थापित यह जेल 2017 तक कार्यरत रही और बाद में इसे राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सांस्कृतिक संपत्ति घोषित किया गया। अब एक प्रतिष्ठित जापानी होटल ब्रांड इसे जून 2026 में ऑल-सूट होटल के रूप में खोलने जा रहा है। प्रत्येक सुइट के लिए नौ से 11 पुरानी कोठरियों को मिलाया गया है, जबकि पूर्व निरोध विंग में जापानी-फ्रेंच रेस्तरां होगा। परिसर में नारा प्रिजन म्यूज़ियम भी खोला जाएगा, जहां आगंतुक इस इमारत के इतिहास और वास्तुकला से रूबरू हो सकेंगे।नारा जेल ऐसा पहला कारावास नहीं है जिसे होटल में बदला गया हो, बल्कि पूरी दुनिया में यह चलन बढ़ता हुआ दिख रहा है। तुर्किये के इस्तांबुल में स्थित सुल्तानाहमेत क्षेत्र की एक पूर्व जेल आज फोर सीजन्स होटल के रूप में दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित होटलों में गिनी जाती है।सन् 1918 में तुर्की नवशास्त्रीय शैली में निर्मित यह भवन 1969 तक जेल रहा, जहां अधिकतर लेखक, पत्रकार और बुद्धिजीवी बंद रहे। बाद में इसका व्यापक जीर्णोद्धार कर 1996 में इसे होटल के रूप में खोला गया। आज यहां 65 भव्य कमरे, स्पा, हम्माम और कई रेस्तरां हैं, जबकि बाहरी स्वरूप और कुछ पत्थर-मरमर संरचनाएं इसके अतीत की झलक देती हैं।जर्मनी के ऑफेनबुर्ग में स्थित होटल लिबर्टी की कहानी भी कम रोचक नहीं है। सन् 1840 के दशक में बने इस भवन में 1848 की असफल बाडेन क्रांति के राजनीतिक कैदी रखे गये थे। सन् 2017 में इसे होटल के रूप में पुनः खोला गया। यहां 38 सुइट्स हैं और हर कमरे के पास प्रतीकात्मक रूप से पुराना सेल दरवाजा लगाया गया है। होटल का रेस्तरां 'वासर एंड ब्रोट' (पानी और रोटी) नाम से जाना जाता है, जो कैदियों के पारंपरिक भोजन की याद दिलाता है।सन् 1851 में स्थापित हुई अमरीका के बोस्टन शहर की चार्ल्स स्ट्रीट जेल आज द लिबर्टी होटल के नाम से मशहूर है। सन् 1990 तक जेल रहने के बाद 2007 में इसे होटल में बदला गया। इसकी विशाल रोशन एट्रियम, लोहे की जालियां और कुछ संरक्षित कोठरियां अब भी मौजूद हैं। कभी कैदियों का व्यायाम स्थल रहा आंगन आज खूबसूरत आंगन-उद्यान में बदल चुका है।कुख्यात अपराधियों का ठिकाना रही ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न की पेंट्रिज जेल अब एक आधुनिक परिसर में तब्दील हो चुकी है। इसकी बी डिवीजन इमारत में द इंटरल्यूड नामक बुटीक होटल है, जिसमें 19 सुइट्स हैं। चार-पांच कोठरियों को मिलाकर बने इन कमरों में मूल पत्थर की संरचना को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाएं जोड़ी गयी हैं। होटल खुद को दुनिया का पहला अर्बन वेलनेस रिट्रीट इन अ कन्वर्टेड प्रिजन बताता है।विशेषज्ञों के अनुसार विरासत इमारतों को संरक्षित रखते हुए उन्हें पर्यटन के लिए उपयोग में लाना न केवल ऐतिहासिक संरक्षण को बढ़ावा देता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देता है। पूर्व जेलों का यह नया अवतार इस बात का प्रमाण है कि समय के साथ स्थानों की पहचान बदल सकती है। जहां कभी कैद थी, वहां अब सुकून और विलासिता है।

## अशोक कुमार बने दिल्ली के नए मुख्य निर्वाचन अधिकारी

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 2006 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अशोक कुमार को सोमवार को दिल्ली का मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया।

चुनाव आयोग ने कहा कि अशोक कुमार को अपना नया पद तत्काल प्रभाव से ग्रहण करना होगा और दिल्ली सरकार को एक सप्ताह के भीतर आयोग को अनुपालन रिपोर्ट भेजनी होगी। कुमार आर एलिस वाज की जगह लेंगे, जिनका पिछले महीने दिल्ली से तबादला कर दिया गया था।

# जयपुर में पेंशन विभाग में एएओ 10000 रुपए रिश्वत लेते अरेस्ट

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सोमवार को जयपुर में पेंशन विभाग लालकोठी के एएओ (द्वितीय) राजेश कुमार खण्डेलवाल को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।ब्यूरो के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार एसीबी चौकी जयपुर नगर चतुर्थ को परिवादी ने शिकायत की कि उसके पिताजी की मृत्यु के पश्चात माता को पूर्ण पेंशन पेंशन बनाने की एवज में राजेश खण्डेलवाल द्वारा परिवादी से पूरी पेंशन बनाने की एवज में दस हजार रूपए तथा पूर्व का एरियर बनाने की एवज में एरियर राशि का दस प्रतिशत के हिसाब से रिश्वत राशि की मांग की गई।इसके बाद ब्यूरो टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए राजेश खंडेलवाल को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया और रिश्वत की दस हजार रुपए की राशि भी बरामद हो चुकी है। अन्य की भूमिका के संबंध में पूछताछ जारी है।एसीबी के महानिरीक्षक सत्येन्द्र कुमार के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

### ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग और आईपीएल पर करोड़ों का सट्टा

# करौली में ऑनलाइन सट्टे के बड़े सिंडिकेट के 8 और सदस्य अरेस्ट

करौली। राजस्थान में करौली पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे के बड़े सिंडिकेट के आठ और सदस्यों गिरफ्तार किया है।करौली पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि संगठित अपराधियों और माफियाओं के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क पर कड़ा प्रहार करते हुए आठ और आरोपियों को गिरफ्तार किया है और इस कार्रवाई के साथ ही इस हाईटेक सट्टा नेटवर्क में अब तक 14 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।सोनवाल ने बताया कि यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों, विशेषकर ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग और आईपीएल पर करोड़ों का सट्टा संचालित कर रहा था। आरोपी क्रिकेट गुरु लाइव जैसे ग्रुप बनाकर लोगों को दोगुना पैसा करने का लालच देते थे। सट्टे की राशि का लेनदेन फोन-पे और अन्य डिजिटल माध्यमों से किया जाता था। तकनीकी विश्लेषण से सामने आया है कि इस गिरोह के तार हिण्डौन, करौली, गंगापुर सिटी और जयपुर तक फैले हुए हैं।सोमवार को पुलिस ने हिंडौन निवासी रहीस (दो मुकदमे), विक्रम (पांच मुकदमे), दिनेशचंद (तीन मुकदमे), संतोष (सात मुकदमे), रामनिवास (तीन मुकदमे), भगवान सहाय (तीन मुकदमे), हेमराज उर्फ हेमू (एक मुकदमे) और बबलू (चार मुकदमे) को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सट्टा किंग अमीनउद्दीन और अन्य मुख्य सरगनाओं के संपर्क में रहकर करोड़ों के अवैध मुनाफे का खेल खेल रहा था।

# सुप्रीम कोर्ट ने सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर जताई चिंता

जोधपुर/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की। इस बीच केंद्र सरकार ने न्यायालय को सूचित किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए), 1980 के तहत उनकी हिरासत की समीक्षा में कोई प्रगति नहीं हुई है और उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिल्कुल ठीक है।न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ सोमवार को डॉ. गीतांजलि आंग्मो की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उनके पति सोनम वांगचुक की हिरासत को अवैध घोषित करने की मांग की गई है।सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता केएम नटराज ने कहा कि वांगचुक की स्थिति स्थिर है और एम्स जोधपुर में उनका सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार किया जा रहा है, जो शायद उनके लद्दाख में रहने पर उपलब्ध नहीं हो पाता।जब पीठ ने इस बारे में जानकारी मांगी कि क्या केंद्र सरकार ने वांगचुक के स्वास्थ्य की चिंताओं को देखते हुए उनकी हिरासत की समीक्षा की है, तो नटराज ने स्पष्ट रूप से उत्तर दिया, नहीं, कुछ नहीं किया गया है। कोर्ट इस जवाब से असंतुष्ट दिखा और न्यायमूर्ति वराले ने याद दिलाया कि पिछली बार पीठ ने सुझाव दिया था कि केंद्र सरकार वांगचुक की हिरासत पर पुनर्विचार करे, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि वह पहले ही लगभग पांच महीने हिरासत में बिता चुके हैं।गौरतलब है कि चार फरवरी को पीठ ने विशेष रूप से अतिरिक्त महाधिवक्ता से हिरासत की संभावित समीक्षा पर निर्देश लेने को कहा था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पहले एक आवेदन दायर कर किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से वांगचुक की जांच कराने की मांग की थी। आवेदन में कहा गया था कि वांगचुक के पेट में बार-बार दर्द हो रहा है और यह संभवतः दूषित पानी के कारण है। न्यायालय के निदेर्शों के अनुसार वांगचुक की एम्स जोधपुर में जांच की गई और फिर न्यायालय में एक मेडिकल रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट का हवाला देते हुए नटराज ने दोहराया कि वांगचुक का स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक है और उन्हें उचित उपचार मिल रहा है।न्यायमूर्ति वराले ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि स्वास्थ्य समस्याओं के होने पर कोई विवाद नहीं है और उपचार केवल न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ही दिया जा रहा है। जब अतिरिक्त महाधिवक्ता ने तर्क दिया कि राजस्थान में उपचार की सुविधाएं लद्दाख की तुलना में बेहतर हैं, तो न्यायमूर्ति वराले ने जवाब दिया कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के संदर्भ में ऐसा तर्क नहीं दिया जा सकता।

# पृथ्वीराज स्मारक पर हुआ एसपीसी जीसीए का इतिहास भ्रमण और पारितोषिक वितरण

अजमेर। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर के इतिहास परिषद का इतिहास भ्रमण और पारितोषिक वितरण कार्यक्रम सोमवार को पृथ्वीराज स्मारक तारागढ़ पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार बहरवाल रहे तथा अध्यक्षता सहायक निदेशक प्रोफेसर अनिल कुमार दाधीच ने की।प्राचार्य सहित सभी विद्यार्थियों ने सम्राट पृथ्वीराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वर्षपर्यंत विभिन्न गतिविधियों में विजेता रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। स्नातक स्तर का प्रतिवेदन तृतीय सेमेस्टर के राजवीर सिंह ने व पीजी एसोसिएशन का प्रतिवेदन एमए फाइनल की तान्या कुमारी ने प्रस्तुत किया।

प्राचार्य बहरवाल ने सम्राट पृथ्वीराज से संबंधित प्रश्नोत्तरी के जरिए पृथ्वीराज की जीवनी, उनके गौरी के साथ किए गए संघर्ष की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इतिहास शिक्षण को किताबों से निकलाकर ऐतिहासिक स्थलों से जोड़ना चाहिए। पृथ्वीराज स्मारक पर आयोजित यह कार्यक्रम इसी दिशा में किया गया एक प्रयास है।

प्रोफेसर अनिल कुमार दाधीच ने भारत के गौरवशाली अतीत को वर्तमान से जोड़ते हुए बताया कि जो देश अपना इतिहास नहीं जानते वे कभी सफल नहीं हो सकते। उनके लिए कभी सफलता की राह नहीं खुलती। इतिहास विषय का अध्ययन अध्यापन अनिवार्य है।कार्यक्रम के अंत में एमए फाइनल की छात्रा अंशिका जैन ने आभार ज्ञापित किया। स्नातक एवं स्नातकोत्तर परिषद के संयोजक डॉ.जितेंद्र कुमार मारोठिया ने संचालन किया इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ धीरज पुरी गोस्वामी, डॉ.दिनेश भार्गव, डॉ. पोरस कुमार महावर, डॉ. सीमा मीणा व इतिहास विभाग के शोधार्थी मौजूद रहे।

# फिल्म बॉर्डर 2 ने की 300 करोड़ क्लब में एंट्री

मुंबई। बॉलीवुड के सुपर स्टार सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 ने भारतीय बाजार में 301 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म बॉर्डर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया है। फिल्म बॉर्डर 2 गत 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में हैं। इनके अलावा इस फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी,मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह जैसे सितारे भी हैं।सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2 ने भारतीय बाजार में पहले सप्ताह में 224.25 करोड़ की कमाई की। फिल्म ने दूसरे सप्ताह में भारतीय बाजार में 70.15 करोड़ का कारोबार किया। फिल्म ने 15वें दिन 2.85 करोड़ की कमाई की।सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2 ने 16वें दिन भारत में 4.25 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। इसके साथ ही देश में बॉर्डर 2 की कमाई का आंकड़ा 301. 50 करोड़ रुपए हो गया है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 को जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

# कोटा में तीन मंजिला इमारत गिरने से 2 लोगों की मौत, 14 घायल

कोटा। राजस्थान में कोटा के जवाहर नगर थाना क्षेत्र में इंदिरा विहार में शनिवार रात तीन मंजिला इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गयी और 14 अन्य घायल हो गए।पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि इमारत के गिरने की सूचना मिलते ही राज्य आपदा राहत बल और पुलिस मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। मलबे में दबे लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि एक कोचिंग छात्र अनारन्य कर्माकर और एक गुब्बारे बेचने वाले की मौत हो गई। अब तक 14 लोगों भर्ती कराया गया है।वह छात्र अपनी मां के साथ इस इमारत में संचालित रेस्टोरेंट में खाना खाने आया था। उसकी मां की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार घायलों का मेडिकल कालेज एवं एमबीएस अस्पताल में उपचार जारी हैहादसे की सूचना मिलने पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एवं विधायक संदीप शर्मा मौके पर पहुंच गए।पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करके तफ्तीश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इमारत में एक रेस्टोरेंट संचालित था। जिसे दो महीने पहले ही बंद करवा दिया था। फिर भी इसमें निर्माण कार्य हो रहा था।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए घायलों को आवश्यक उपचार के निर्देश दिए हैं।

# उत्तरी नाइजीरिया में सड़क दुर्घटना में 30 लोगों की मौत

अबूजा। उत्तरी नाइजीरिया में बड़े पैमाने पर हुए सड़क हादसे में कम से कम 30 लोगों की मौ हो गई। रिपोर्ट के अनुसार यह घटना देश के दूसरे सबसे बड़े राज्य कानो में घटी। कई लोग घायल हो गए। अखबार ने दुर्घटना का कारण लापरवाही से वाहन चलाना बताया है। राज्य के राज्यपाल अल्हाजी यूसुफ ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

# बाघसुरी गांव में राममय हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन का माहौल

## मंगल कलश यात्रा का पुष्पवर्षा से स्वागत

नसीराबाद। समीपवर्ती बाघसुरी गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय विराट हिन्दू सम्मेलन का रविवार को कलश यात्रा और धर्मसभा के साथ समापन हुआ। दोपहर में राज हवेली कार्यालय स्थित दफ्तर में आयोजित धर्म सभा में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय निमोही अखाडा दूदाधारी अयोध्या धाम एवं डबरेला धाम के महंत शंकरदास महाराज के आशीर्वचन हुए। उन्होंने पंच परिवर्तन अपनाकर समानता, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक समरसता के साथ जीवन जीने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने सरकार से गाय को राष्ट्र माता व राष्ट्र धरोहर का दर्जा दिलाए की मांग उठाई।

श्रीमानव निर्वाण सनातन धर्म संस्था एवं श्री कल्याण आश्रम बाघसुरी के महंत कर्मचंद भारती ने सनातन धर्म और संस्कृति के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान किया। संघ के विभाग विद्यार्थी प्रमुख लक्ष्मण पंजीबी का मार्गदर्शन भी मिला। अध्यक्षता संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक कल्याणमल सेन ने की। इस मौके पर राज हवेली गोमाता, भारत माता के साथ जय श्रीराम के नारों से गूंजायमान हो गया। इससे पूर्व अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन धर्म सभा के बाद महाप्रसादी का आयोजन हुआ। समरसता भरे माहौल में हिन्दू समाज के हर जाति वर्ग ने महाप्रसादी ग्रहण की।

551 महिलाओं व कन्याओं ने निकाली कलश यात्राः- बाघसूरी में सर्व सकल हिन्दू समाज व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बाघसूरी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में बाबा रामदेव मंदिर से 551 महिलाओं व कन्याओं ने मंगल कलश के साथ डीजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली। पारंपरिक परिधान पहने महिलाएं लोक गीत गाते चल रही थीं। आकर्षक झाकियों से राममय हुए माहौल में मंगल कलश शोभायात्रा में सैकड़ों धर्मप्रेमियों ने शिरकत की। मंगल कलश यात्रा व शोभायात्रा बाबा रामदेव मंदिर से हथाई, मुख्य बाजार, गांधी चौक, आखरियां, लक्ष्मीपुरा होते हुए राज हवेली पहुंची। मंगल कलश व शोभायात्रा का मार्ग में जगह जगह पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया गया।

प्राइवेट स्कूलों के बच्चों की झांकियों को सराहाः हिंदू सम्मेलन के दौरान शोभायात्रा में निजी स्कूलों के बच्चों ने आकर्षक झांकियों के जरिए सहभागिता की। चंद्रशेखर शर्मा व मनीष यादव ने बताया कि बच्चों ने राम दरबार, भारत माता, हनुमानजी, वानर सेना, राम लक्ष्मण व सीतामाता सहित विभिन्न झांकियों का प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने झांकियों खूब सराहा।

एकजुटता ने आयोजन को सफल बनायाः-इस मौके पर समाजसेवी बंटी अग्रवाल, एडवोकेट रणविजय सिंह शेखावत, सुरेश चंद शर्मा, चंदन सिंह, श्याम सुंदर रोल्या, मुकेश प्रजापत, महेन्द्र रायका, गोविन्द वैष्णव, अक्षय भाटी, हेमन्त सेन, मुकेश प्रजापत, पूर्व सरपंच देवेंद्र गुर्जर, ओमप्रकाश वैष्णव, शंभु पाराशर, त्रिलोकचंद रोल्या, दामोदर शर्मा, अशोक सिंह शेखावत, सोहन लाल राजोरा, गोपाल गुर्जर, मोहनलाल राजोरा, शेखर गुर्जर, रामकरण गुर्जर, तेजमल अग्रवाल, एडवोकेट गोरधन गुर्जर, जगदीश प्रसाद शर्मा, रणजीत सिंह भाटी, सुरेश चंद शर्मा, रवि साहू, पृथ्वीराज लक्ष्कार, चरण सिंह चौधरी, रमेश चौधरी, महावीर जाट, भगवान सिंह सिसोदिया सहित ग्राम नाहरपुरा, अजबा का बाडिया, बनेवडा, बुधपुरा, नासून, बुबानिया, धोलादाता आदि गांवों के ग्रामीण मौजूद रहे।

# विराट हिन्दू सम्मेलन : कोटड़ा महाराणा बस्ती में शोभा यात्रा व धर्मसभा का आयोजन

अजमेर। कोटड़ा महाराणा बस्ती में विराट हिन्दू सम्मेलन के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई तथा सीताराम मन्दिर उद्यान में धर्मसभा आयोजित की गई।हिन्दू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने के लिए सर्व हिन्दू समाज द्वारा सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के प्रतीक विराट हिन्दू सम्मेलन से पूर्व सुबह 9 बजे कल्पतरु उद्यान से शोभा यात्रा प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए सीताराम मंदिर उद्यान पहुंची। पूर्वाहन 11 बजे उदबोधन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हुआ।सम्मेलन में नृसिंह मंदिर नया बाजार के संत श्याम सुंदर शरण व ओजस्वी वक्ता जोधपुर प्रांत धर्म जागरण संयोजक डॉक्टर ललित कुमार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संतों के आशीर्वाद व सामूहिक भोजन प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।कार्यक्रम में आयोजन समिति अध्यक्ष पुखराज सारण, सचिव दिनेश भारद्वाज, गिरधर गौड़, चंद्र प्रकाश सिसोदिया, सुशील कुमार, दीपक, मुकेश समेत बडी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

# PreveCeutical Announces Filing of Patent for Delivery of CNS-Active Agents

Vancouver, British Columbia–(Newsfile Corp. – February 9, 2026) – PreveCeutical Medical Inc. (CSE: PREV) (OTCQB: PRVCF) (FSE: 18H0) (the "Company" or "PreveCeutical") is pleased to announce it has filed an International (PCT) patent application on February 5, 2026, having the application no. PCT/US2026/014110, and entitled "Delivery of CNS-active therapeutic agents".

The international patent application covers innovative methods and formulations aimed at addressing longstanding challenges in the treatment of neurological diseases and disorders. Of particular interest is Parkinson's disease, which is a neurodegenerative condition afflicting over 10 to 12 million globally, and it is cited as the 2nd most common neurodegenerative disorder after dementia. Progressive symptoms of Parkinson's disease include unilateral movement issues, typically presenting as a slight tremor and quiet speech in the early stages, through to severe disability that impacts eating, bathing and dressing, complemented by cognitive decline.Depletion of the neurotransmitter dopamine in the brain is the key driver of Parkinson's. Direct supplementation with dopamine is not currently a viable option, due to it being unable to cross the blood-brain barrier, and treatments most typically involve oral administration of the dopamine precursor, levodopa (L-dopa). As Parkinson's is a progressive disease also impacting the health of dopaminergic neurons, their gradual decline in numbers is inevitable, reaching a threshold that renders supplementation with L-dopa ineffective.

# बंटें नहीं बल्कि सब मिलकर राष्ट्र निर्माण में जुटें : संत कृष्णानंद महाराज

अजमेर। सर्व हिन्दू समाज की ओर से सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के प्रतीक विराट हिन्दू सम्मेलन के पंचशील नगर में दो दिवसीय आयोजन का रविवार को लक्ष्य पैलेस में संत समागम के साथ समापन हुआ। इससे पहले कलश यात्रा व संदेश यात्रा निकाली गई। विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों में बडी संख्या में धर्मप्रेमियों ने शिरकत की। राष्ट्र संत कृष्णानंद महाराज का सान्निध्य मिला।

## वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हमारा मूलभूत सिद्धांत

इंजीनियरिंग कालेज में प्रबंधन विषय के विभागाध्यक्ष एवं भारतीय शिक्षण मंडल चितौड प्रांत मंत्री राधाकिशन मोटवानी ने कहा कि यह आत्मचिंतन और राष्ट्र जागरण का समय है। जात पात, वेशभूषा, भाषा को लांघकर हम सदैव एक रहे हैं। इसमें संत महापुरुषों का अहम योगदान रहा। हमारे यहां युगों युगों से संत परंपरा रही है। हमने हमारी सभ्यता और संस्कृति को सीमित नहीं रखा। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हमारा मूलभूत सिद्धांत रहा। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता रही है कि 84 लाख योनियो की तपस्या पूर्ण होने के बाद मनुष्य जन्म मिलता है। हमारा जन्म इस पुण्य धरा पर हुआ, इसका हमें गर्व होना चाहिए। यह भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और शिवाजी महाराज जैसे वीरों की कर्मभूमि रही है। हमारा भी तन मन मातृभूमि के लिए सदैव प्रकट रहे। वर्तमान समय में हमारी सामाजिक समरसा को असुरी शक्तियां तोडने के प्रयास में जुटी हैं। इन्हें सफल नहीं होने देना हैं। हमें अपनी सभ्यता और संस्कृति के मूल भाव को बनाए रखना है। सकल हिन्दू समाज अपने रीति रिवाजों, भाषा, भोजन पर गर्व की अनुभूति करें। क्योंकि जैसा व्यक्ति का स्वाभाव होता है ठीक वैसा ही राष्ट्र का स्वभाव बनता है।

### वैदिक सनातन परंपरा को जागृत करने का समय

*मुख्य अतिथि लाडली घर के संस्थापक राष्ट्र संत कृष्णानंद महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि एक समय था जब सनातन और हिन्दुत्व का राज समूचे विश्व में फैला हुआ था, धीरे धीरे यह सिर्फ भारत तक सीमित होकर रह गया। यानी हम सोते रहे और अंधियारा घिरता गया। हालत यह हुई कि आज हिन्दू को जगाने की जरूरत आन पडी। हमें अपनी निद्रा तोडनी होगी। क्योंकि छल-कपट से सनातन को तोडने वाली शक्तियां एक होकर हमें मिटाने में जुटी हुई हैं। हम जात-पांत में बंटते गए और कमजोर होते गए। सनातन का वैभव सीमित हो गया। वैदिक सनातन परंपरा को जागृत करने और जगने का समय आ गया है। यह जाति पूछने का नहीं बल्कि आत्ममंथन का समय है। भेदभाव को तिलांजलि देनी होगी। सबको गले लगाना होगा। एक होकर धार्मिक आयोजन में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि संगठन में शक्ति है चाहे परिवार हो, समाज हो अथवा राष्ट्र हो। बंटें नहीं बल्कि सब मिलकर राष्ट्र निर्माण में जुटें।*

## जाति पूछना छोड दें, हिन्दू संगठित हो जाएगा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी ज्योत्सना रंगा ने कहा कि हम सनातनी हैं यानी हमारे बीच कोई अंतर नहीं। परस्पर जाति पूछना छोड दें। इतना सा प्रयास हिन्दू को संगठित करने के लिए काफी है। हमारी पहचान जाति से नहीं बल्कि हिन्दू से हो। उन्होंने कुटुम्ब प्रबोधन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एक दौर ऐसा था था जब नाना-नानी, दादा-दादी, मामा-मामी, मौसी-मौसा जैसे अनेकानेक रिश्ते बच्चों को विरासत में मिलते थे। अब इन रिश्तों में बहुत से विलुप्त होते जा रहे हैं। सीमित परिवार की धारणा इसके लिए जिम्मेदार है। अब परिवार माता-पिता और एक बच्चा तक सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में नई पीढी का जीवन एकाकी होता जा रहा है। अपने बच्चे को रिश्ते देना माता-पिता का काम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में एक बार फिर संयुक्त परिवार की धारणा बलवती हो रही है। नौकरी व अन्य कारणों से परिवार का साथ रहना संभव ना हो तो संवाद और संपर्क बनाए रखना परिवार को एकसूत्र में बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कार अलग अलग है। स्कूलों में सिर्फ शिक्षा मिलती है लेकिन संस्कार घर में मिलते हैं। इसमें माता व बहनों की भूमिका अधिक होती है।

## कलश यात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत

हिन्दू सम्मेलन से पूर्व दिन में निकाली गई कलश यात्रा व संदेश यात्रा का जगह जगह पुष्पवर्षा के जरिए धर्मप्रेमियों ने भव्य स्वागत किया। कलश यात्रा पंचमहेश्ववर महादेव मंदिर सेक्टर 2 उद्यान से आरंभ हुई जो राजीव गांधी सर्किल, बी ब्लॉक होते हुए पंचशील के विभिन्न मार्गों से गुजरी। कलश यात्रा के साथ ही सनातन के नारे लिखे तख्तियां थामे अनेकानेक लोग साथ चले। मनकामेश्वर मंदिर और शिव शक्ति मंदिर के समीप राष्ट्रसेविका समिति की स्वयंसेविकाओं ने आत्मरक्षा का प्रदर्शन किया। घोडे पर सवार तलवार थामे मातृशक्ति को देख तालियों से स्वागत किया। मुख्य कार्यक्रम स्थल विजय सरिता के पास लक्ष्य पैलेस पर कलशयात्रा सम्पन्न हुई। संत समागम के पश्चात समस्त धर्मप्रेमियों ने सामाजिक समरसता से परिपूर्ण भोजन प्रसादी ग्रहण की।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114
Email ID
sabgurunews@gmail.com
अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

## एमडीएस विश्वविद्यालय ने शुरू किया व्हाट्सएप चैनल

अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने विद्यार्थियों तक विश्वविद्यालय से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं शीघ्र एवं प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से एक आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल प्रारंभ किया है। इस चैनल के माध्यम से परीक्षाओं, प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति, प्रशासनिक घोषणाओं तथा अन्य आवश्यक सूचनाओं का त्वरित और प्रमाणिक प्रसार किया जाएगा।

## बालिका से रेप करने के दो दोषियों को मृत्यु होने तक का कैद

अलवर। राजस्थान में अलवर के यौन अपराध बाल संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम न्यायालय ने 14 वर्षीय बालिका से सामूहिक दुष्कर्म करने के दो आरोपियों को सोमवार को दोषी करार देते हुए मृत्यु होने तक के कारावास की सजा सुनाई।

## विराट हिन्दू सम्मेलन: गुर्जर धरती बस्ती में धर्मसभा में उमड़ा जनसैलाब समरसता भोज ने दिया एक पंगत-एक संगत का संदेश

अजमेर। सकल हिन्दू समाज एवं विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति गुर्जर धरती बस्ती अजयमेरू महानगर के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य समापन रविवार को संतों के सान्निध्य में विशाल धर्मसभा एवं समरसता भोज के साथ हुआ। समापन समारोह में मातृशक्ति सहित हजारों श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक भागीदारी देखने को मिली।मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य हनुमान सिंह राठौड़ ने कहा कि यह सम्मेलन हिन्दू समाज को एकजुट करने, सांस्कृतिक चेतना जागृत करने तथा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक सशक्त अभियान है। उन्होंने संतों के आशीर्वाद का स्मरण करते हुए कहा कि इस विराट आयोजन का उद्देश्य हिन्दू समाज में नव चेतना, जनजागरण एवं सामाजिक एकता को मजबूती प्रदान करना है। समरसता भोज के माध्यम से एक पंगतझएक संगत का संदेश पूरे समाज तक पहुँचाया गया। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को जोड़ने वाला सबसे बड़ा माध्यम सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक संस्कार हैं। ऐसे विराट आयोजन हिन्दू समाज को अपनी मूल परंपराओं से जोड़ते हुए संगठन, सेवा और संस्कार के भाव को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि जब समाज एक साथ बैठकर एक पंगत में भोजन करता है और एक संगत में प्रभु स्मरण करता है तब सामाजिक समरसता की भावना मजबूत होती है। ये राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। श्रीश्री 1008 महंत सुरेश दास महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि सनातन धर्म आस्था के साथ जीवन को मयार्दा, सेवा और करुणा से जोड़ने वाली महान परंपरा है। उन्होंने कहा कि ऐसे विराट आयोजनों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है और संगठन की शक्ति से समरसता का भाव सुदृढ़ होता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में संस्कार, सेवा और धर्म को आत्मसात कर राष्ट्र व समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाएं।

अखिल भारतीय सांगलिया पीठ सीकर के पीठाधीश्वर श्रीश्री 108 ओमदास महाराज ने कहा कि सनातन धर्म समाज को जोड़ने वाला जीवन दर्शन है जो भेदभाव मिटाकर सभी को एक सूत्र में बांधता है। उन्होंने कहा कि संगठन के माध्यम से ही समाज की सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहती है और समरसता के भाव से राष्ट्र सशक्त बनता है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए समाज को एकता के मार्ग पर आगे बढ़ाएं। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष एवं आयोजन समिति के सदस्य ओमप्रकाश भड़ाना ने कहा कि सम्मेलन का शुभारम्भ धर्म ध्वजारोहण के साथ किया गया। इसके पश्चात अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल सवाई भोज आसींद के महंत सुरेश दास महाराज एवं अखिल भारतीय सांगलिया पीठ सीकर के पीठाधीश्वर ओमदास महाराज के पावन सान्निध्य में भव्य कलश यात्रा, शोभा यात्रा एवं विशाल धर्मसभा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा में हजारों की संख्या में मातृशक्ति ने सहभागिता की। ये रेलवे म्यूजियम स्थित माता जी मंदिर से प्रारम्भ होकर अलवर गेट, गुर्जर टीला , गुर्जर धरती, नोनकरण का हत्था होते हुए तेल मिल होते हुए विभिन्न मार्गों से होती हुई नसीराबाद रोड स्थित तेल मिल स्थित मुख्य कार्यक्रम धर्म सभा स्थल पर पहुंची। शोभा यात्रा में आकर्षक झांकियां, धर्म ध्वज, भजन मंडलियां एवं श्रद्धालुओं की विशाल भागीदारी श्रद्धा और संस्कृति का भव्य संगम प्रस्तुत करती रहीं। मातृशक्ति के रूप में पुष्पा पोसवाल ने सशक्त महिला, समृद्ध महिला का संदेश दिया आयोजन समिति के अध्यक्ष पूरण सिंह डांगोरिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के समापन पर सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से समरसता भोज महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इसमें समाज के सभी वर्गों ने एक साथ पंगत में बैठकर भोजन ग्रहण कर एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)